

[illegible]

1240 1241 1242 1243 1244 1245

ॐ नमः शिवाय लाक्याचलिगुखलाय मिमिसा मनदूख
नाय ॐ नमः शिवाय नि साहाय ॥ मिनाजामदाडा हयधि
थेमन ह्नाय अथ साकम निरुसमानसं वायाय ननमनश्च
धलमयकवितायाय ॥ मनं २ मनूरवेनमखूकर्मयाय ॥ म
हालाय धर्मदत्त मिजिस उपाय धनं समनपाडाधधलम

याय धानिगुधमदूगडाधर्मकर्मधाय ॥ २ ॥ समनूयासलखूय
पिसदसहाय नसयासगुनिनासडासगुधजाय रुगनिनमन
नसेदलसननाय ॥ ३ ॥ ययायधममदूमनूकर्मकाय थूगु
लिसियाडासिजिपापडातापाय लीनमदूसमानसमायात्रनि
काय ॥ ४ ॥ अशगयामिसातासचलिगुखलाय तुल्यामल

धमरत्न वज्रावाय सुरत श्री महाबहार

DH 156

विनहाजानपागकाय, धनविजयस्यारवजाननजधाय॥ ५
॥ सनिजयधकलागिराखेरुयककाय, धूगुत्रिकथनथमदका
वयदुवाय, वागिराखेमसि अरुसजंदयककाय॥ ६ ॥ मिसा
अविस्वासवाककू मिजनधाय, रुद्रिपेरुमद्रूपसुथयकाय
य, नयाजानियाजकायकासगनकाय॥ ७ ॥ धिगिकुतिवई

शयानातिकुतिकाय, सविलसदनहाजसुयामखाधाय, अंगी
लिसकनहाजधकापिनजभय॥ ८ ॥ जानमखमावाइयाखी
खैमजकाय, थजाननगीवमाजानाकनार्ककाय, लावेरनि
संशयवाननासकाय॥ ९ ॥ लखायाककायावियाकपनका
काय, खरुडासंमखइकावादुर्गखककाय, जमयासरासन्ननका

ध्यानाय ॥ १० ॥ किनानदूकनमियायुनिगारवकाय, दूवा
क्रिसकाउयाउका नाउनिंकाय, थउवचंननमवविस्वास
नलाय ॥ ११ ॥ लाजमदूकायूमियावचनाखकाय, दउध
मोसाद्धिधमसंभयावकायाय, धर्मनीरुयादरुमियानदा
५ र्वकाय ॥ १२ ॥ साधकूदवाहनिलसगनकाय, नानाका

यापविगमज्ञानेउरवेधमायाय, विपानिसगननियाधकाकाम
लकाय ॥ १३ ॥ नामदहनकायाककनियाखकाय, दूकावू
कात्रनेककायकवपेकाय, नापेखवनयामरुनांविद्याय ॥
॥ १४ ॥ द्यालूरुवविन्दलयइअनउधाय, संकनसपानलय
गमकमरुकाय, अनेमानपननामरुनयेकाय ॥ १५ ॥ कल

Handwritten text in Devanagari script, likely a religious or philosophical passage. The text is written on aged, yellowed paper and includes several lines of verse or prose, some of which are underlined. The script is in a traditional style, possibly from a manuscript of a Sanskrit text.

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

Handwritten text in Devanagari script, continuing the passage from the top page. The text is written on aged, yellowed paper and includes several lines of verse or prose, some of which are underlined. The script is in a traditional style, possibly from a manuscript of a Sanskrit text.



कनकननननिसंश्रितपायाखलाय धूगुनिसियाडाथ डाविस्वा
समयाय थमयथखललपमनेरासकाय ॥ १५ ॥ मनिकडासालमि
नगानिगननाय थडावलदनडाथडांथडासाय मद्रुखद्र
माडाथमदधलाय ॥ १६ ॥ असमद्रुवदददिलक्रियानका
य क्रानिस्थडाकासथपिंयालायाय थडाकासिधनडाडा

थपिंसाक्रडभया ॥ १७ ॥ वृतिवावि जाकिवक्रिमिडाथसथ
यद्रुगुलिहगस क्रानिस्थडाकाय कुरंकायलाकं वियगु
लिलवधाय ॥ १८ ॥ संसात्रया आसद्रुनखंकायकाय थपि
डकादेवनगनसरुयाय यनिडाखे यक्रुननकसंकाय ॥
॥ १९ ॥ नूननननाययावननयाखलाय यादामनपनवि

धर्मरत्न बज्राचार्य सुरत श्री महाविहार

DH156

यहिसुथूनं छाया, थथि रुठ कननिनहा पूणनलाय ॥ २१ ॥ या
आयाक रुक्मा नयानाना रुदा छाया, थजस निवन रुका वूसैया दू
काय, आरुव पूद उधक मर्ग मूत्र छाया ॥ २२ ॥ धनद का मने
सुनिनिया रुस थमय, इत ल्हाय धन खूय थू निवि उभयाय, नल
कविनानम दू डाकू डाने थमय ॥ २३ ॥ वाक्कन वद न्ना वात साक्क

सखल्लाय, ज्ञानपान निमस सदेका विय छाया, पापिण खं दिय ध
न काय दू वदाय ॥ २४ ॥ न्नासान न काया धन संपनि दू याय, थमन
मसियाणु निदयि ज उपाय, सिसेया ठाणु निपाप म दगे उपाय
॥ २५ ॥ विवेकन मसा कक्क खेनिक दू धाय, वन मद्रक्क यागन
दू खया खं ह्माय, वन कन थूत म्मन न्ना निन प छाया ॥ २६ ॥ ग्रह

नमस्तेजसा सिद्धांतिक कृष्णाय शृणु मद्रसंकता विनी कूदय के
 क्राय थूगु निपापन कून नून कूदा काय ॥ ११ ॥ धनसुदुमनस
 मेव दुर्ने क्राय धनकन दूख सुख ख कूहति ज्ञाय ध्वनिगुनिक
 तम मे उपहासयाय ॥ १८ ॥ वृध धर्मसंघना सक्ति धरुन काय स
 साल समाह लप धिन सुख लाय उगुलिस याने दडा देडा पनिथा
 या ॥ १९ ॥ थूगुलिक धा विवेक या यि उरं जमनं ययाय धम मद्र

नून धिन धा वलनं ॥ उनि उरं कूक शक्ति यदुप उत्रनं उ
 ने थडा क्रमि २ कल नि कू वयानं ॥ धसं साल स उ धाल या यि उ व
 म्म सनं वक्रा विष्णु महे ध्वल कल धामयनं ॥ श्री जय पन का धम
 ल शश सनं यक कू पनि रु स द सल कू सलनं ॥ गू गिला कवलि
 वृणी नं समापत न मा वृधायन मा धमाय न मा स दाय ॥ १९ ॥

धा ॥ १९ ॥ धा ॥ १९ ॥ धा ॥ १९ ॥ धा ॥ १९ ॥ धा ॥ १९ ॥

धा ॥ १९ ॥ धा ॥ १९ ॥ धा ॥ १९ ॥ धा ॥ १९ ॥ धा ॥ १९ ॥